अमर उजाला

बरेली
बुधवार, 19 फरवरी 2025
फाल्गुन कृष्ण-पक्ष/सप्तमी
विक्रम संवत-2081

PAGE NO 8 : BOTTOM

विभाजन की त्रासदी को बयां कर गया 'मसीहा'

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। उप्र संगीत नाटक अकादमी व एसआरएमएस रिद्धिमा की ओर से चार दिवसीय संभागीय नाट्य समारोह का शुभारंभ मंगलवार को रिद्धिमा प्रेक्षागृह में सागर सरहदी लिखित नाटक 'मसीहा' के मंचन से हुआ। यह नाटक वर्ष 1947 की विभाजन की त्रासदी को बयां करने में कामयाब रहा।

कंसर्ड थिएटर लखनऊ की ओर से प्रस्तुत और अनुपम बिसारिया निर्देशित इस नाटक की पटकथा वर्ष 1947 के देश विभाजन पर आधारित रही। शरणार्थियों की सामाजिक एवं मानसिक स्थिति को बखूबी दर्शाया गया। नाटक का आरंभ भारत-पाकिस्तान सरहद पर स्थित शरणार्थी शिविर से होता है। इसमें पाकिस्तान से आए शरणार्थी मास्टर संतराम रोज अपनी बहन का इंतजार करते हैं। उसे मास्टर के शागिर्द ही उठा ले गए थे। हिंदुस्तानी कैप्टन भी मास्टर का शागिर्द रहा है, इसलिए उनकी बहन को उनसे मिलाने में मदद करता है। वह मिल भी जाती है। बुधवार शाम पांच बजे इमेंस आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी लखनऊ की ओर से नाटक 'एक इंस्पेक्टर से मुलाकात' का मंचन किया जाएगा।

रिद्धिमा प्रेक्षागृह में नाटक मसीहा का मंचन करते कलाकार। फोटो : संवाद

उप्र संगीत नाटक अकादमी व एसआरएमएस रिद्धिमा के संभागीय नाट्य समारोह का हुआ शुभारंभ

मंचन से पहले समारोह का शुभारंभ एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, उप्र संगीत नाटक अकादमी की ड्रामा डायरेक्टर शैलजा कांत, ट्रस्ट के एडवाइजर सुभाष मेहरा ने किया। इस दौरान ट्रस्टी आशा मूर्ति, ऊषा गुप्ता, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार सहित शहर के गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।